DON BOSCO SCHOOL, KOKAR, RANCHI

2020-2021

CLASS – 7

SUBJECT : HINDI -1 (VYAKARAN SAMBODH)

पाठ .1 (भाषा , बोली, लिपि और व्याकरण) अभ्यास

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :–

क) भाषा किसे कहते है ? भाषा के किस रूप को प्रयोग अधिक होता है ?

उत्तर – जिस साधन द्वारा मनुष्य अपने भावों और विचारों का आदान–प्रदान करता है उसे भाषा कहते हैं । भाषा के मौखिक रूप का प्रयोग अधिक होता है ।

ख) भाषा के किस रूप का अध्ययन नहीं होता है और क्यों ?

उत्तर – भाषा के सांकेतिक रूप का अध्ययन नहीं होता है क्योंकि सांकेतिक भाषा का लिखित रूप नहीं होता है । केवल हम देखकर ही सांकेतिक रूप को समझ सकते है ।

ग) भाषा और लिपि का क्या संबंध है ? लिपि के न होने पर क्या–क्या हो सकता था?

उत्तर – लिपि और भाषा सहजात संबंध नहीं होता । इसलिए एक भाषा को कई लिपियों में लिखा जा सकता है, जैसे – संस्कृत, देवनागरी, रोमन कन्नड, तेलुगु आदि अनेक लिपियों में लिखी जाी है । जब कोई भाषा किसी लिपि को अपनाती है तो भाषा की ध्वनि व्यवस्था लिपि में भी आंशिक परिवर्तन करती है, जैसे – संस्कृत, हिन्दी, मराठी की देवनागरी में आंशिक भेद है ।

लिपि के न होने पर भाषा के लिखित रूप का सही ज्ञान प्रकट नहीं होता । दूसरों के भावों और विचारों का आदान–प्रदान नहीं होता । जैसे – किताब, समाचार पत्र, पत्र–लेखन इत्यादि के द्वारा लिखित रूप का सही ज्ञान प्राप्त नहीं होता ।

घ) इन भाषाओ की लिपि लिखिए :–

उत्तर – कश्मीरी – देवनागरी कन्नड़ – ब्राह्मी उर्दू– फारसी

स्पेरिश – रोमन फ्रेंच – रोमन जर्मन –रोमन

पंजाबी – गुरूमुखी संस्कृत – देवनागरी अंग्रेंजी – रोमन

2. निम्नलिखित वाक्यों में सही शब्द भरिए –

उत्तर – क) विचारों के आदान प्रदान को भाषा कहते है ।

ख) जो विचार बोलकर प्रकट किया जाए उसे मौखिक भाषा तथा जिसे लिखकर प्रकट किया जाए, उसे लिखित भाषा कहते है

ग) व्याकरण भाषा को शुद्धता प्रदान करता है ।

घ) भाषा को लिखित रूप देने के लिए निश्चत् चिह्न लिपि कहलाते हैं ।

ड़) मराठी की लिपि है – देवनागरी ।

पाठ .2 वर्ण विचार

अभ्यास

1. अशृद्ध शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए –

उत्तर – आलोकीक – आलौकिक

स्वदेस – स्वदेश

यथेषट – यथेष्ट

बसनती – बसंती

परदीप – प्रदीप

सतरूपा – सातरूप

2. ऐसे दस शब्द लिखिए जिनमें रेफ (र्‍) हो –

धर्मा, शर्मा, कर्मा, दीर्घ, उर्दू, पूर्ति, वर्ण, चर्म, कॉर्न, जर्मन ।

3. निम्नलिखित संयुक्ताक्षरों से एक–एक शब्द लिखिए –

ज्ञ – ज्ञान, त्र – यात्रा, थ्य– तथ्य, ज्ज – उज्जवल,

क्त – रक्त, श्र–श्रम, च्छ – स्वच्छ, ल्य– मूल्य, न्न– अन्न ।

4. उचित स्थानपर अनुस्वार लगाकर शब्द पुनः लिखिए –

रग – रंग, अजु– अंजु, सशय–संशय, ठडा–ठंड़ा,

अतर– अंतर, आनद–आनंद, मदिर– मंदिर, सगीता – संगीता

5. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर चंद्रबिंदु (अनुनासिक) लगाकर दोबारा लिखिए –

पहुच – पहुँच, तागा – ताँगा, पाच – पाँच, आधी–आँधी,
सावला –साँवला, हस– हँस, मडरा – मँडरा, पाव– पाँव, गेहू – गेहूँ

6. ऋ की मात्रा (ृ) लगाकर शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए –

कष्ण– कृष्ण, कपा– कृपा, कषक– कृषक, व्रिक्ष– वृक्ष,
करतज्ञ– कृतज्ञ, घणा– घृणा, दष्टि– दृष्टि, गह– गृह,

म्रिग– मृग ।

7. उचित स्थान पर नुकता लगाइए ।

जहाज – जहाज़ इज्जत – इज्ज़त फकीर – फ़कीर

जमीन – ज़मीन जरा – ज़रा मजहब – मज़हब

जोरदार – ज़ोरदार फन – फ़न फनकार – फ़नकार

8. नीचे लिखे शब्दों के वर्ण–विच्छेद कीजिए :–

गाड़ी – ग् + आ + इ् + ई ।

बतलाओ – ब् +अ + त् + अ + ल् + आ + ओ ।

क्षमा – क् + ष् + अ + म् + आ ।

घबराते – घ् + अ + ब् + अ + र् + आ + त् + ए ।

बदलते – ब् + अ + द् + अ + ल् + अ + त् + ए ।

पड़ते – प् + अ + ड् + अ + त् + ए ।

झीलों – झ् + ई + ल् + ओ ।

पहाड़ों – प् + अ + ह् + आ + ड् + ओ ।

9. (र) के उचित रूप का प्रयोग कीजिए ।

धम – धर्म, वण – वर्ण, डम – ड्रम पदशन – प्रदर्शन

टक – ट्रक सिफ – सिर्फ किया – क्रिया गमी – गर्मी

दीघ – दीर्घ आशीवाद – आशीर्वाद खच – खर्च राष्ट – राष्ट्र

बिटिश – ब्रिटिश दशक – दर्शक पसिद्ध – प्रसिद्ध ।

10. विसर्ग युक्त पाँच शब्द लिखिए –

प्रायः, अतः, प्रातः, दुःख, पुनः ।

11. निम्नलिखित शब्दों में अनुस्वार, अनुनासिक, विसर्ग, नुकता, व्यंजन, द्वित्व, संयुक्ताक्षर, आगत वर्ण पहचान कर लिखिए ।

कंचन – अनुस्वार चाँद – अनुनासिक उद्देश्य – द्वित्व, व्यंजन

प्रातः – विसर्ग कॉफी – नुकता जहाज़ – नुकता

परीक्षा – संयुक्ताक्षर कच्चा – द्वित्व, व्यंजन उँगली – अनुनासिक

अतः – विसर्ग ।

12. (र) में (उ) तथा (ऊ) की मात्रा लगाकर दो–दो शब्द बनाइए –

र् + उ = गुरु, रुकना र् + ऊ = रूप, रूपा